यीशु ने कहानियों का इस्तेमाल हमें दिखाने के लिये किया कि परमेश्वर कैसा है

जो बच्चों को सिखाते हैं उन्हें अध्ययन एस 7 बी पढ़ना चाहिये

1. यीशु की कहानियों से परमेश्वर के विषय सीखने के लिये अपने ह्रदय को तैयार करें।

"प्रिय पिता संसार में सुसमाचार लाने को लिये यीशु के भेजने हेतु धन्यवाद। उसकी कहानियों के लिये धन्यवाद जो आपके सन्देश को समझाने में सहायता करते हैं। दूसरों को ये अद्भुत कहानियां दूसरों को बताने में हमारी सहायता कर"।

यीशु संसार का सबसे अधिक प्रभावशाली संदेश वाहक था। लोगों को अपना सन्देश समझाने के लिये यीशु ने सत्य कहानियों और दृष्टान्तों का प्रयोग किया जो सामान्य से साधारण लोगों के जीवन की गतिविधियों के उदाहरण देते हैं। यीशु ने कहानियों का उपयोग किया क्योंकि ये लोगों को समझाने में आसानी से आता है कि वे याद रख सकें और दूसरों को बता सकें। उसकी कहानियां सच्चाईयों को बताती है जो लोग बहुत मूल्यवान समझते जिसे वे आसानी से अपने परिवार और मित्रों को बता सकते थे। सुसमाचार बहुत शीघ्र यहूदी लोगों के मध्य फैल गया। यहाँ कुछ सच्चाई है जो यीशु की कहानी प्रगट करती हैं।

- परमेश्वर हमेशा आश्चर्य जनक रूप से कार्य करता है। यीशु की कहानियां पौधों के अद्भुत रीति से बढ़ने की तुलना करते हैं और दूसरी चीजें जिसे मनुष्य आसानी से समझता है।
- परमेश्वर उन लोगों के साथ कार्य करता है जो अपने को कमजोर और व्यर्थ समझते हैं।
- यीशु के सन्देश और भी धार्मिक सन्देशों की तरह, ताजे और सामर्थी थे।
- यीशु ने बताया कि परमेश्वर हमें ढूंढ रहा है, वह हमें हमारे पापों से उद्धार देना चाहता है।
- जब हम पश्चत्ताप करते और उस पर विश्वास करते है तो परमेश्वर यीशु के द्वारा हमारा उद्धार करता है
- परमेश्वर हमे कार्य करने को देता है। वह चाहता है कि हम उसकी सेवा डर से नहीं आनन्द से करें।
- जो परमेश्वर की सेवा करते वह उन्हें महान इनाम देगा और जो उसका तिरस्कार करते उन्हें वह दण्ड देगा।

कृपया नीचे दी गई कहानियों के छः उदाहरण पढ़ें जिसे यीशु ने अपने राज्य के सत्य को प्रगट करने के लिये इस्तेमाल किया। हर बार जब आप कहानी पढ़ते है तो परमेश्वर से समझने में सहायता मांगें। हर कहानी में ढूंढें जो आपको परमेश्वर को जानने में मदद करती है और वह क्या चाहता कि आप करें।

मत्तीः 13:31-35 खोजें क्या चाहता कि आप राई के दाने से सीखें

- खमीर और राई का बीज क्या प्रस्तुत करते हैं।
- परमेश्वर का राज्य कैसे आरंभ्भ होता है और जब बढ़ता है तो क्या होता है।

लूका 5:36-38 में पढें पुराने वस्त्र और पुरानी मशक की कहानीः

- नया पैबन्द और नई दाखरस क्या प्रगट करते हैं।
- यीशु के सन्देश कैसे दूसरों या पुराने धार्मिक संदेशों से तुलना करते हैं।

लूका 15:8-10 में खोजें एक खोये हुए सिक्के की कहानीः

- स्त्री और खोया हुआ सिक्का किसको बताता है।

- परमेश्वर किस व्यग्रता से खोये हुए को खोजता है और जब आता है तो उनसे क्या करता है

लूका 18:10-14 में खोजें एक पश्चत्तापी चुंगी लेने वालो की कहानी

- क्यों फरीसी का व्यवहार परमेश्वर को प्रसन्न नहीं करता।
- हमें फिस प्रकार परमेश्वर के पास पहुंचना चाहिये।

मत्ती 24:45-51 में खोजें विश्वास योग्य सेवक की कहानी:

- विश्वासयोग्य सेवक और उसके कार्य किसकों दर्शाते हैं।
- जिस व्यवहार से हम परमेश्वर की सेवा करते हैं।

मत्ती 25:1-13 में खोजें ब्याह के भोज की कहानी:

- जो विश्वासयोग्यता से मसीह की सेवा करते उनकी क्या आशा है, और जो असफल होते उनके लिये क्या है।
- ब्याह का भोज क्या बताता है (सहायता के लिये देखें प्रकाशित वाक्य 19:1-10)

हमें भी परमेश्वर के सत्य बताने के लिये पुराने और नये नियम की कहानियों को बताना चाहिये। कहानियाँ पढ़ी जा सकती हैं, याद से बताई जा सकती हैं, गाई जा सकती हैं, उनका नाटक किया जा सकता है या तस्वीरों की श्रृंखला में दिखाई जा सकती है।

2. सप्ताह के बीच की गतिविधियों को अपने सह-कर्मियों के साथ योजना बनायें।

- विश्वासियों और वे जो प्रभु को नहीं जानते दोनो से भेंट करें। उन्हें वे कहानियां बतायें जो उनकी आवश्यकता के बारे में हैं दोनो नये और पुराने नियम से। परमेश्वर कहें कि वह दिखायें कि कैसे आप और वे जो कहानियां सुनते हैं उन सत्यों को जो कहानी में हैं व्यवहार में लायें।
- उनसे मिलें जो बच्चों को सिखाते हैं और योजना बनाने में उनकी सहायता करें, जो यीशु ने बताई हैं और दूसरी बाइबल कहानियां भी बच्चों को कहानियों पर नाटक, गति विधियाँ बताने दें। वे तस्वीर भी बना सकते हैं और उनके विषय कविता लिख सकते हैं।
- अपने सह-कर्मियों के साथ वार्ता करें कि वे बाइबल की कहानियों को पढ़ाई में किस प्रकार इस्तेमाल करेंगे। उन कहानियों का चयन करें जो आपकी संस्कृति के लोगों को यीशु के बारे बताने में उत्तम मदद करती हैं जिससे सुसमाचार समझा जा सकें। प्रशिक्षण सामग्री और प्रचार के तरीके जो बाइबल कहानी बताते है इस्तेमाल करें।
- मन्डली के लोगों को दिखाओ कि उनके मित्रों को कैसे बाईबल कहानियां बताई जाये और उसे कैसे अराधना के बीच किया जा सके। उन्हें कहानियों को गीत के रूप में नाटक कविता और तस्वीरों के रूप में प्रस्तुत करने दीजिये। विश्वासी जो कलाकार हैं कहानी बताने के लिये तस्वीरें बनायें।

3. आगामी आराधना के लिये अपने सह-कर्मियों के साथ योजना बनायें।

उन गतिविधियों को चुने जो हाल की आवश्यकता स्थानीय रीति रिवाज में सही बैठती हैं

यीशु के एक या दो दृष्टान्तों को बताओ या नाटक रूप में करें जो आपने अध्ययन किया हैं। लोगों को कल्पना करने में सहायता करो कि यदि ये कहानियां अभी होतीं तो किस प्रकार से बताई जाती (आपके अपनी संस्कृति में)।

आपने जो (ऊपर) भाग! में पाया उसके विषय प्रश्न **पूछिये।**

बतायें कि किस प्रकार यीशु ने अपनी कहानियों में परमेश्वर के सत्य को प्रगट किया है। कुछ सत्यों का वर्णन करो।

प्रभु भोज को लागू करने के लिये यीशु की बताई हुई कहानी जो मत्ती 25:1–13 में है इस्तेमाल करें तो मूर्ख और बुद्धिमान कुवांरियों के विषय में हैं जो ब्याह के भोज में गई। बतायें कि प्रभु भोज हमें यीशु के साथ महान ब्याह के भोज का स्वाद देता है जो स्वर्ग में हमारा प्रतिफल होगा।

बच्चों ने जो प्रश्न, कविता और नाटक तैयार किया है उन्हें प्रस्तुत करने दें।

कुछ विश्वासियों से कहें कि वे अपनी गवाही दें कि कैसे परमेश्वर ने उन पर अपना सत्य प्रगट करने के लिये बाइबल की कहानियों को इस्तेमाल किया। और इस सुसमाचार को दूसरों को बताने के लिये सहायता की।

दो या तीन लोगों के झुण्ड से प्रार्थना करने और एक दूसरे को समझाने को कहें और कि वे कहानियों को जिन्हें यीशु ने बताया सीखने की योजना की पुष्टि करें जिन्हें वे मित्रों और परिवारों को पहुँचायें।

साथ साथ यूहन्ना 8:12 को **कंठस्थ करें।**